मैया के आये नवराते मेहर बरसा दे

मैया के आये नवराते मेहर बरसा दे,
खजाने खोल माँ बैठी,
शहर शहर जगराते भगत करवाते,
खजाने खोल माँ बैठी,
मैया के आये नवराते मेहर बरसा दे,

ऊचे पर्वत गुफा निराली पिंडी रूप में शेरावाली,
सरस्वाति माँ लक्ष्मी माता साथ विराजे माँ महाकाली,
माँ के दर्शन पा लो शीश निभा लो सजा के दरबार बैठी,
मैया के आये नवराते मेहर बरसा दे,

कितना सूंदर भवन सजा है सिंह सवारी कैसी न्यारी
बेरो नाथ जी पीछे पीछे आगे है बजरंग बलकारी,
सब की होती सुनवाई सुने महामाई सिंह पे सवार बैठी,
मैया के आये नवराते मेहर बरसा दे,

लाखो बिगड़े भाग सवारे लखा मांगे खेल निराले,
तर जाएगा तू भी धीरे धीरे माँ का नाम जो दिल से पुकारे,
हो जाए वारे न्यारे लगाए जो जैकारे,
टुटाने माँ जो प्यार बैठी,
मैया के आये नवराते मेहर बरसा दे,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12787/title/maiya-ke-aaye-navraate-mehar-barsa-de-khajaane-khol-maa-bethi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |